

न्यायालय का नाम :- उपखण्ड अधिकारी, जोधपुर

केस सं. / 202.....

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विरुद्ध रूप से
	22/1/25	पत्रावली पेश हुई। BO. का आवकाश पर ही। आदेशानुसार दिनांक 12/3/25 को पेश हो।
	12/3/25	पत्रावली पेश हुई। BO. का आवकाश पर ही। आदेशानुसार दिनांक 15/2/25 को पेश हो।
	7/5/25	पत्रावली पेश हुई। BO. का आवकाश पर ही। आदेशानुसार दिनांक 28/5/25 को पेश हो।
	28.5.25	पत्रावली पेश हुई। लक्षणाएँ परिष्कृत उपस्थित। मध्याह्निक के तामील जमानत तथा डिपोजीट के पूर्व के पेश। 17-11-25। प्रतिवादी सं. 13 व 21 की तामील पूर्ण। प्रतिवादी सं. 2, 8 व 12, 14 व 20 23 व 26, 28 व 34 की तामील हेतु सम्मान स्वामता पेश होने पर परिष्कृत Reg. Act. जारी होकर पत्रावली दिनांक 25/6/25 को पेश हो। d 50 उपखण्ड अधिकारी जोधपुर
	25.6.25	पत्रावली पेश हुई। वादी एवं उनके सभिवन्ता अनुपस्थित वादी को साथ न्यायालय में प्रथम-प्रथम समय पर तीन-तीन बार भावापे लखवायी गयी। भावपूर्ण भावापे लखवाने के उपरांत भी वादी ने न्यायालय में हाजिर नहीं आने के कारण पत्रावली गन्तगति कार्रवाई न निश्चय - 3 वा. धी. के तहत बाका हाजरी न उद्घम पेशी में शारिक की जाती है। पत्रावली फौजल सुमार होकर नंबर से कम होकर दायित्व गन्तगति हो। d 50 उपखण्ड अधिकारी जोधपुर, जयपुर